SARASWATI ENGLISH HIGH SCHOOL, NARPOLI BHIWANDI.

Maharashtra State Board - English Medium

Grade - 9 | हिंदी लोकभारती

Name: _____ **Diwali Activity (Hindi)** Date: 21/10/2022

Roll No: _____

Time: 01 Hour(s) Marks: 20

Q1 - सूचना के अनुसार पत्रलेखन कृति कीजिए : **(5)**

1. शैलेश/शीला दीक्षित, 20/250, लोकमान्य नगर, पुणे से गणवेश बनाने के लिए 5-1, जयहिंद चौक, सासवड में रहनेवाले अपने पिताजी को दो सौ रूपयों की माँग करते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

सुनील/सुनीता कुलकर्णी, 410, शहापुरी, कोल्हापुर - 416 002 से अपने छोटे भाई को 5 वीं कक्षा में प्रवेश देने के लिए माननीय मुख्याध्यापक, सरस्वती विद्यालय, कोल्हापुर - 416 002 को प्रार्थनापत्र लिखता/लिखती है।

Solution.

10 अगस्त, 2018

पूज्य पिताजी,

सादर प्रणाम।

बहुत दिनों से आपका पत्र नहीं मिला। आशा है, आप सब सकुशल होंगे।

पिताजी, मेरे गणवेश की हालत बहुत खराब हो गई है। पुराने सभी कपड़े अब पहनने लायक नहीं रहे। कुछ तो छोटे पड़ गए हैं और बाकी फटने की तैयारी में हैं। केवल एक गणवेश के सहारे मैं मुश्किल से काम चला रहा हूँ। आप तो जानते ही हैं कि मेरे स्कूल में गणवेश पहनना अनिवार्य है। इसलिए कृपा करके जल्द से जल्द 200 रुपये भेज दीजिए, जिससे मैं नया गणवेश तैयार करा सकूँ।

आशा है, पत्र पाते ही आप रुपए भेज देंगे। शेष सब कुशल है।

आपका आज्ञाकारी पुत्र,

शैलेश दीक्षित,

20/250, लोकमान्य नगर,

पुणे-411 003।

xyz@ABC.com

अथवा

25 अप्रैल, 2017

सेवा में,

माननीय मुख्याध्यापक जी,

सरस्वती विद्यालय,

कोल्हापुर - 416 002।

विषय : 5 वीं कक्षा में प्रवेश के लिए प्रार्थनापत्र।

मान्यवर महोदय,

मैं सरस्वती विद्यालय का भूतपूर्व छात्र हूँ। मैंने सन् 2012 में इस विद्यालय से ही एस. एस. सी. की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। मैं चाहता हूँ कि मेरा छोटा भाई अनिल भी आपके ही विद्यालय में पाँचवी कक्षा से पढ़ाई करे। अभी तक वह एक अच्छे प्राथमिक स्कूल में पढ़ रहा था। इस वर्ष की चौथी कक्षा की परीक्षा में वह प्रथम रहा है। उसे 85 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए है। मैं इस पत्र के साथ उसके परीक्षा -फल की प्रमाणित प्रतिलिपि भेज रहा हूँ।

आशा है, आप उसे अपने यहाँ 5 वीं कक्षा में प्रवेश देने की कृपा करेंगे। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि वह आपके विद्यालय का एक तेजस्वी एवं आज्ञाकारी छात्र बनेगा।

कष्ट के लिए क्षमा प्रार्थी हूँ।

प्रार्थी,

सुनील कुलकर्णी,

410, शहापुरी,

कोल्हापुर - 416 002।

sunilk87@gmail.com

Q2 - निम्नलिखित दो कृतियों में से कोई एक कृति लिखो: (कहानिलेखन या वृत्तान्तलेखन) : (Any 1)

अ. **निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 60 से 80 शब्दों में वृत्तांतलेखन कीजिएः** **(5)**

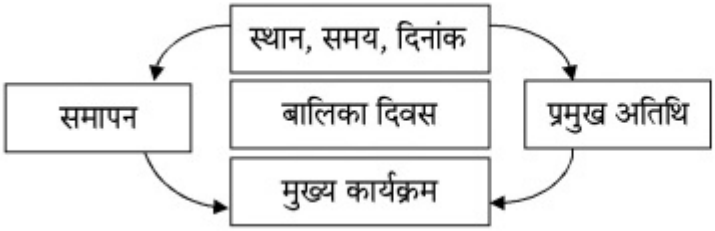

Solution.

राष्ट्रीय बालिका दिवस की धूम

(कार्यालय प्रतिनिधि द्वारा)

नागपुर, 24 जनवरी, 2018 को कन्या विद्यामंदिर में प्रात 10 बजे प्राचार्या महोदया की अध्यक्षता में राष्ट्रीय बालिका दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के

रूप में महाराष्ट्र के मान्यवर नेता श्री. पाटेकरजी पधारे थे। सर्वप्रथम नारी शक्ति के रूप में देश की महिला प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की प्रतिमा का मालार्पण किया गया। विद्यामंदिर की कन्याओं ने इशस्तवन एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर दसवीं कक्षा की छात्राओं ने नृत्य-नाटिका द्वारा आज की नारी शक्ति को प्रस्तुत किया। एकांकी नाटक, गीत, नृत्य, आदि कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने कार्यक्रम को खुशनुमा बना दिया। इस अवसर पर कई छात्राओं को खेल-कूद, कला, अध्ययन, वक्तृत्व आदि में असाधारण उपलब्धियों पर पुरस्कार दिए गए। प्रमुख अतिथि महोदय ने कन्याओं की प्रगति की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने अपने भाषण में बालिकाओं को अपनी सेहत, पोषण व पढ़ाई पर ध्यान देने का संदेश दिया ताकि वे शारीरिक, आर्थिक, मानसिक व भावनात्मक रूप से आत्मनिर्भर व सक्षम बन सकें। समारोह में उपस्थित अभिभावकों को संबोधित करते हुए उन्होंने एक नारा भी लगाया,

'जो बेटी को दे पहचान
माता-पिता वही महान'

और कहा, आइए हम लिंग पर आधारित पुरानी मान्यताओं को तोड़ने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करें और लैंगिंक संवेदनशीलता के साथ-साथ लैंगिक समानता को भी बढ़ावा दें।

आ. **निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 60 से 80 शब्दों में वृत्तांतलेखन कीजिए :**

अपने विद्यालय में मनाए गए 'बाल-दिन' का वृत्तांत रोचक भाषा में लिखिए। (वृत्तांत में स्थल, काल और घटना का उल्लेख कीजिए।)

Solution.

नेहरू विद्यालय में बाल-दिन का शानदार समारोह

(कार्यालय-प्रतिनिधि द्वारा)

अशोक नगर, सातारा के नेहरू विद्यालय में 14 नवंबर 2017 को बाल-दिन समारोह श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभागार को खूब सजाया गया था। मंच पर जवाहरलाल नेहरू का विशाल चित्र रखा गया था जिस पर लाल गुलाब के फूलों का हार चढ़ाया गया था।

समारोह की अध्यक्षता नगर के प्रसिद्ध डॉक्टर बालचंद्र सावरकर ने की। कार्यक्रम का प्रारंभ दसवीं कक्षा के विद्यार्थी शैलेश जोगळेकर के ' हे शांतिदूत, तुमको वंदन, तुम थे मानवता के चंदन।' जैसे प्रभावशाली गीत से हुआ।

बाद में विद्यालय के आचार्य एकनाथ पुंदरे ने संक्षेप में अध्यक्ष महोदय का परिचय दिया और उनका स्वागत किया। विद्यालय के हिंदी शिक्षक श्रीराम शुक्ल ने नेहरू जी के मन में बच्चों के प्रति लगाव से संबंधित कई घटनाएँ सुनाईं। अध्यक्ष महोदय ने नेहरू जी के बहुमुखी व्यक्तित्व का विस्तृत परिचय दिया। उन्होंने कहा कि गुलाब के प्रेमी नेहरू जी स्वयं मानवता के गुलाब थे।

इस अवसर पर छोटे बच्चों में मिठाई वितरित की गई। चौथी कक्षा के नमन मंगेशकर ने नेहरू जी की वेशभूषा में उन्हीं की शैली में भाषण दिया। उसका भाषण सुनकर सारा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठा।

अंत में राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

Q3 - सूचना के अनुसार विज्ञापनलेखन कीजिए : **(5)**

1. निम्नलिखित जानकारी के आधार पर लगभग 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए :

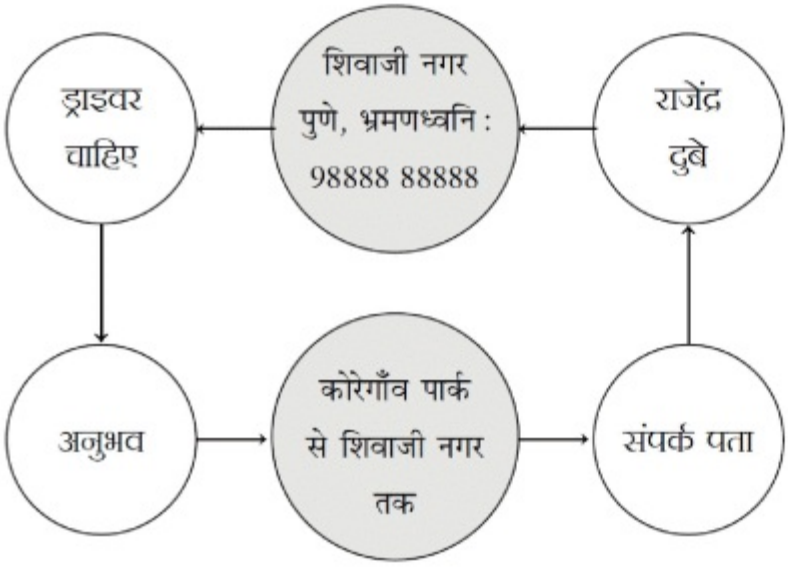

Solution.

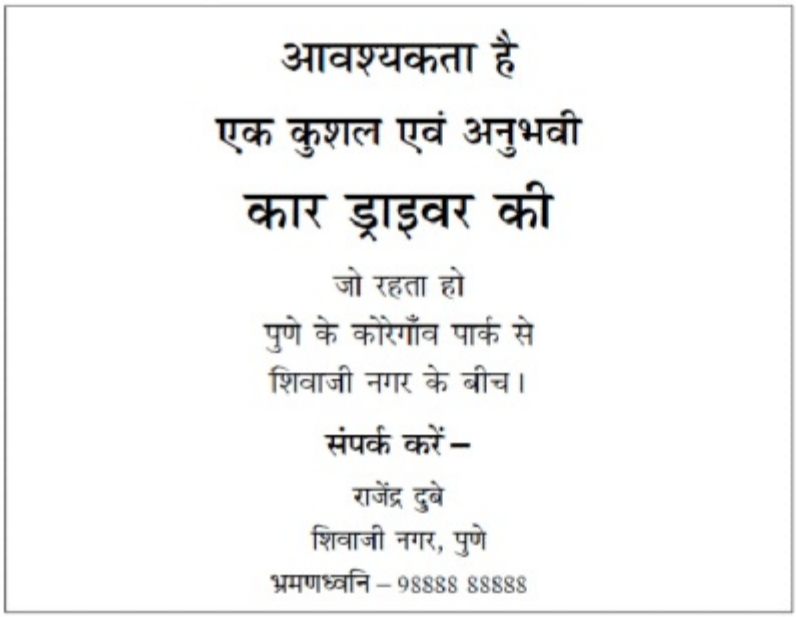

Q4 - गद्यांश पढ़कर चार प्रश्न तयार कीजिए: **(4)**

1. **निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों :**

भाग्य पर विश्वास करने वालों का दावा है कि पिछले जन्मों के कर्मों के अनुसार सफलता या असफलता मिलती है या सुख-दुख आते हैं। कई बार भरसक प्रयत्न करने के बाद व्यक्ति असफल हो जाता है तो दुखी हो उठता है। यह मानने के लिए उसे मजबूर होना पड़ता है कि भाग्य में वही लिखा था। सफलता केवल प्रयत्न और परिश्रम से ही नहीं मिलती। उसके लिए व्यावहारिक ज्ञान, सूझ-बूझ, धैर्य, आत्मविश्वास, एकाग्रता आदि कई गुण आवश्यक हैं। काम को बिना समझे, गलत ढंग से, उचट मन से, उद्देश्य की पूरी और स्पष्ट जानकारी पाए बिना कितना भी परिश्रमपूर्वक किया जाए, तो भी सफलता मिलना संभव नहीं होता है। जब आवश्यक गुणों के अभाव में मेहनत करने वाले को सफलता नहीं मिलती तो कहा जाता है कि पिछले जन्म के कर्मों के कारण उसे सफलता नहीं मिली। तब व्यक्ति अपने भाग्य को अपनी असफलता का उत्तरदायी मानकर चुप बैठ जाता है। भाग्यवाद व्यक्ति को निराश, निष्क्रिय और अकर्मण्य बना देता है। अगर असफलता के कारणों को ढूँढ़ा जाए और पुरुषार्थी बनकर उस काम को फिर से करने का संकल्प किया जाए तो असफलता के कारणों से बचने की समझ आती है और व्यक्ति सफल हो सकता है।

Solution.

प्रश्न :

(1) भाग्यवादी लोग क्या मानते हैं?

(2) सफलता के लिए व्यक्ति में कौन-कौन से गुण होने चाहिए?

(3) कौन लोग परिश्रम करने पर भी असफल होते हैं?

(4) भाग्यवाद में विश्वास करने का क्या परिणाम होता है?

Q5 - भाषाभ्यास (व्याकरण) : **(1)**

1. 'प्रथम' तथा 'द्वितीय' प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए :-

(1)

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
धोना	.....	.....

Solution.

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
धोना	धुलाना	धुलवाना